प्रयोजन मूलक हिन्दी पुस्तकालय का महत्त्व व उपयोगिता

*** पुस्तकालय :**

पुस्तकें विविध विषयों पर विविध भाषाओं में विविध विद्वानों द्वारा लिखी जाती हैं। विश्व में मानव ज्ञान के जितने भी क्षितिज हैं, उनमें से अधिकांश पर सरल, ज्ञानवर्धक एवं महत्त्वपूर्ण तथा सारगर्भित जानकारी देने वाली पुस्तकें उपलब्ध हैं। व्यक्ति अपने घर में अपने सीमित संसाधनों से अधिक से अधिक संख्या में पुस्तकें खरीदकर रखने की कोशिश करता है; फिर भी उसकी यह कोशिश अधूरी ही रह जाती है।

इस दिशा में पुस्तकालय पुस्तकों के आलय अर्थात् घर हैं। एक छोटे से विद्यालय से लेकर महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में बड़े-बड़े पुस्तकालय होते हैं जिनमें सरकारी सहायता से अनेक विषयों की प्रकाशित पुस्तकें खरीदकर पाठकों को उपलब्ध कराई जाती हैं तथा अनेक दुर्लभ ग्रंथों को सुरक्षित रखा जाता है। आजकल पंचायत से लेकर म्युनिसिपल कोर्पोरेशनों, सरकारी कार्यालयों आदि के भी अपने पुस्तकालय मौजूद हैं जहाँ पाठक अपनी ज्ञान पिपासा शांत करते हैं। प्रत्येक राज्य में पुस्तकालय निर्देशालय है जो कि सरकारी खर्चे पर लेखकों और प्रकाशकों आदि से थोक में पुस्तकें खरीदकर उनके अंतर्गत आनेवाले विभिन्न पुस्तकालयों में पुस्तकें भेजते हैं ताकि पाठकों को प्रत्येक विषय और भाषा की पुस्तकें उनके निकट के पुस्तकालय में आसानी से मिल सकें।

*** पुस्तकालय का महत्त्व :**

वैसे तो हर समय में पुस्तकालय अत्यंत महत्त्वपूर्ण सिद्ध हुए हैं क्योंकि संचित ज्ञान का भंडार इनमें सदैव उपलब्ध रहा है। पुस्तकालय विज्ञान के अनुप्रयोग के साथ आज पुस्तकालय सूचना प्रौद्योगिकी के उपकरणों का भी उपयोग पाठकों को त्वरित रूप से सेवाएँ प्रदान करने के लिए करने लगे है। बाल-ग्रंथालय विभाग से लेकर भाषा, विषय आदि के क्रम में पुस्तकें अत्यंत व्यवस्थित रूप में पुस्तकालय में रखी जाती हैं ताकि प्रयोक्ता को पुस्तकों तक पहुँच बनाने में सुविधा हो। साथ ही, प्रयोक्ता पुस्तकालय के कम्प्यूटर के माध्यम से भी जानकारी प्राप्त कर सकता है कि जिस पुस्तक को वह पढ़ना चाहता है वह पुस्तकालय में उपलब्ध हैं अथवा किस पाठक के पास है। आजकल इंफोर्मेशन और लाइब्रेरी नेटवर्क का जमाना है अत: प्रयोक्ता इंफ्लिबनेट की वेबसाइट पर जाकर बहुविघ जानकारी एक क्लिक में प्राप्त कर सकता है।

आजकल प्रतियोगिता का दौर है तथा शिक्षा से लेकर रोजगार तक में प्रतियोगिता ही प्रतियोगिता है जिसमें सफलता के लिए पुस्तकों के माध्यम से तैयारी करनी होती है और प्रत्येक विषय की श्रेष्ठ, अघतन, सारगर्भित, उपयोगी एवं विविध विषयक पुस्तकें हमें पुस्तकालय में एक जगह मिलती हैं जिन्हें हम संबंधित पुस्तकालय की सदस्यता प्राप्त करके उसके वाचनालय में भी पढ़ सकते हैं तथा नियत समय के लिए जारी कराकर घर में भी पढ़ सकते हैं। प्रतियोगिताओं की तैयारी करने के लिए तो अत्यंत कीमती, विश्वस्तरीय, अद्यतन पुस्तकें हमें पुस्तकालय में ही मिलती हैं। अत: पुस्तकालय का महत्त्व हमारे लिए अत्यधिक है।

*** पुस्तकालय की उपयोगिता :**

पुस्तकालय चूँकि विविध विषयों की पुस्तकों के ज्ञानागार होते हैं अत: विविध भाषाओं और विषयों की पुस्तकें हमें पुस्तकालयों में आसानी से उपलब्ध हो जाती हैं। पुस्तकालय की सदस्यता ग्रहण करने से हम पुस्तकालय के नियमों के अनुसार पुस्तकालय का उपयोग कर सकते हैं। पुस्तकें ज्ञान का भंडार है तथा पुस्तकों से दोस्ती ही सच्ची दोस्ती होती है क्योंकि वे हमारा ज्ञानवर्धन तो करती ही हैं, साथ ही, हमें सच्ची राह भी दिखाती हैं।

आजकाल पुस्तकालय अद्यतन सुविधाओं से सुसज्जित होकर पाठकों की सेवा और अच्छी तरह करने हेतु प्रस्तुत हो रहे हैं। पुस्तकालय प्रकाशित अधिकांश समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ भी पाठकों हेतु मँगवाते हैं अत: ज्ञान के साथ सूचनाओं को भी हम पुस्तकालय के माध्यम से अद्यतन कर सकते हैं। आज के जमाने में पुस्तकालय मानव जीवन के लिए, उसके ज्ञानवर्धन हेतु अत्यंत उपयोगी सिद्ध होते हैं।

स्वाध्याय

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो वाक्यों में दीजिए :

(1) पुस्तकालय से क्या आशय है?

(2) पुस्तकालय ज्ञान के भंडार क्यों हैं?

(3) पुस्तकालय पुस्तकों के आलय क्यों हैं?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच-पाँच वाक्य में लिखिए :

(1) पुस्तकालय किसे कहते हैं?

(2) पुस्तकालय का महत्त्व समझाइए?

(3) पुस्तकालय की उपयोगिता बताइए?

योग्यता-विस्तार

(1) **विद्यार्थी प्रवृत्ति :** पुस्तकालय में आपने जो अनुभव किया हो, उसे अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।

(2) **शिक्षक प्रवृत्ति :** विद्यार्थियों को अपने विद्यालय के पुस्तकालय में अथवा नजदीक के किसी पुस्तकालय में ले जाकर उन्हें पुस्तकालय का प्रत्यक्ष अनुभव कराइए।

⊙